बगलामुखी चालीसा

॥ दोहा ॥

सिर नवाइ बगलामुखी,

लिखू चालीसा आज।

कृपा करहु मोपर सदा,

पूरन हो मम काज॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ चौपाई ॥

जय जय जय श्री बगला माता,

आदिशक्ति सब जग की त्राता।

बगला सम तब आनन माता,

एहि ते भयउ नाम विख्याता।

शशि ललाट कुण्डल छवि न्यारी,

अस्तुति करहिं देव नर-नारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पीतवसन तन पर तव राजै,

हाथहिं मुद्गर गदा विराजै।

तीन नयन गल चम्पक माला,

अमित तेज प्रकटत है भाला।

रत्न-जटित सिंहासन सोहै,

शोभा निरखि सकल जन मोहै।

आसन पीतवर्ण महारानी,

भक्तन की तुम हो वरदानी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पीताभूषण पीतहिं चन्दन,

सुर नर नाग करत सब वृन्दन।

एहि विधि ध्यान हृदय में राखै,

वेद पुराण सन्त अस भाखै।

अब पूजा विधि करौं प्रकाशा,

जाके किये होत दुख नाशा।

प्रथमहिं पीत ध्वजा फहरावै,

पीतवसन देवी पहिरावै।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

कुंकुम अक्षत मोदक बेसन,

अबीर गुलाल सुपारी चन्दन।

माल्य हरिद्रा अरु फल पाना,

सबहिं चढ़इ धरै उर ध्याना।

धूप दीप कर्पूर की बाती,

प्रेम सहित तब करै आरती।

अस्तुति करै हाथ दोउ जोरे,

पुरवहु मातु मनोरथ मोरे।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

मातु भगति तब सब सुख खानी,

करहु कृपा मोपर जनजानी।

त्रिविध ताप सब दुःख नशावहु,

तिमिर मिटाकर ज्ञान बढ़ावहु।

बार-बार मैं बिनवउँ तोहीं,

अविरल भगति ज्ञान दो मोहीं।

पूजनान्त में हवन करावै,

सो नर मनवांछित फल पावै।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सर्षप होम करै जो कोई,

ताके वश सचराचर होई।

तिल तण्डुल संग क्षीर मिलावै,

भक्ति प्रेम से हवन करावै।

दुःख दरिद्र व्यापै नहिं सोई,

निश्चय सुख-सम्पत्ति सब होई।

फूल अशोक हवन जो करई,

ताके गृह सुख-सम्पत्ति भरई।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

फल सेमर का होम करीजै,

निश्चय वाको रिपु सब छीजै।

गुग्गुल घृत होमै जो कोई,

तेहि के वश में राजा होई।

गुग्गुल तिल सँग होम करावें,

ताको सकल बंध कट जावै।

बीजाक्षर का पाठ जो करहीं,

बीजमन्त्र तुम्हरो उच्चरहीं।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

एक मास निशि जो कर जापा,

तेहि कर मिटत सकल सन्तापा।

घर की शुद्ध भूमि जहँ होई,

साधक जाप करै तहँ सोई।

सोई इच्छित फल निश्चय पावै,

यामे नहिं कछु संशय लावै।

अथवा तीर नदी के जाई,

साधक जाप करै मन लाई।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

दस सहस्त्र जप करै जो कोई,

सकल काज तेहि कर सिधि होई।

जाप करै जो लक्षहिं बारा,

ताकर होय सुयश विस्तारा।

जो तव नाम जपै मन लाई,

अल्पकाल महँ रिपुहिं नसाई।

सप्तरात्रि जो जापहिं नामा,

वाको पूरन हो सब कामा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नव दिन जाप करे जो कोई,

व्याधि रहित ताकर तन होई।

ध्यान करै जो बन्ध्या नारी,

पावै पुत्रादिक फल चारी।

प्रातः सायं अरु मध्याना,

धरे ध्यान होवै कल्याना।

कहँ लगि महिमा कहौं तिहारी,

नाम सदा शुभ मंगलकारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पाठ करै जो नित्य चालीसा,

तेहि पर कृपा करहिं गौरीशा।

॥ दोहा ॥

सन्तशरण को तनय हूँ,

कुलपति मिश्र सुनाम।

हरिद्वार मण्डल बसूँ,

धाम हरिपुर ग्राम॥

हिन्दीपथ.कॉम

उन्नीस सौ पिचानवे सन् की,

श्रावण शुक्ला मास।

चालीसा रचना कियौं,

तव चरणन को दास॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा